

हो।

26/3/24

पत्रावली प्रस्तुत। कहील करि अनुवा-प्याकतक  
 के पुकारे जाते पर ना तो वाणी नू ही कहील  
 वाणी नप्यालक के समस्त उपकरण हुये। कइ-  
 काइ-वाणी कइय हाजिरी कइय पैली-के कारिज  
 किता जात है पत्रावली निपटानुका दायिल  
 दफ्तर होय नकर ले कइ हो।

॥

